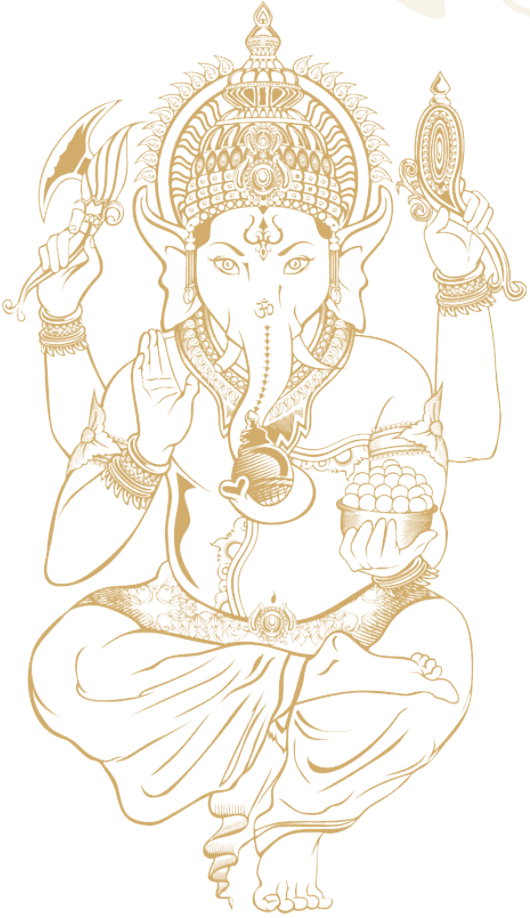

Mridul

29 Mar 1999

09:05 AM

Simla

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121713803

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
29/03/1999	जन्म तिथि	**29/03/2026**
सोमवार	दिन	रविवार
घंटे 09:05:00	जन्म समय	07:18:11 घंटे
घटी 07:04:50	जन्म समय(घटी)	02:39:14 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
उत्तर 31:06:00	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
पूर्व 77:10:00	रेखांश	77:10:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:15:03	सूर्योदय	06:14:29
18:38:02	सूर्यास्त	18:38:19
23:50:36	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:31
वृष	लग्न	मेष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
सिंह	राशि	कर्क
सूर्य	राशि-स्वामी	चन्द्र
मघा	नक्षत्र	आश्लेषा
केतु	नक्षत्र स्वामी	बुध
4	चरण	3
शूल	योग	धृति
कौलव	करण	विष्टि
मे-मेहर	जन्म नामाक्षर	डे-डेम
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
वनचर	वश्य	जलचर
मूषक	योनि	मार्जार
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	श्वान
27	गत/तत्कालिक वर्ष	28

जन्म - विवरण | वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
कृतिका	4	08:21:56	वृष			लग्न			मेष	05:31:50	2	अश्विनी
उ०भाद्रपद	4	14:09:42	मीन			सूर्य			मीन	14:09:42	4	उ०भाद्रपद
मघा	4	12:00:18	सिंह			चंद्र			कर्क	25:54:59	3	आश्लेषा
स्वाति	4	17:39:30	तुला	व		मंगल		अ	कुंभ	26:36:11	2	पू०भाद्रपद
पू०भाद्रपद	3	27:53:08	कुंभ	व		बुध			कुंभ	17:14:44	4	शतभिषा
उ०भाद्रपद	4	16:28:45	मीन		अ	गुरु			मिथु	21:22:39	1	पुनर्वसु
भरणी	2	19:04:32	मेष			शुक्र			मेष	03:48:45	2	अश्विनी
अश्विनी	3	09:14:21	मेष			शनि		अ	मीन	10:57:29	3	उ०भाद्रपद
आश्लेषा	4	27:32:19	कर्क	व		राहु			कुंभ	14:33:10	3	शतभिषा
धनिष्ठा	2	27:32:19	मक	व		केतु			सिंह	14:33:10	1	पू०फाल्गुनी
श्रवण	4	21:48:02	मक			मु			सिंह	08:21:56	3	मघा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:31

लग्न-चलित

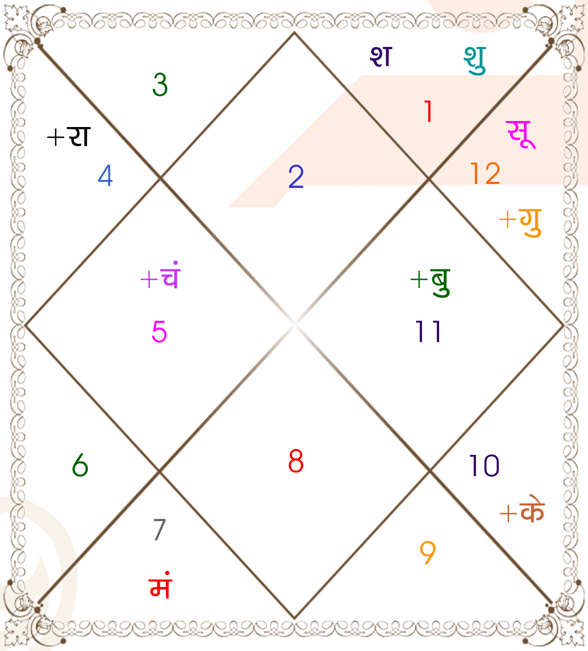

वर्ष लग्न कुंडली

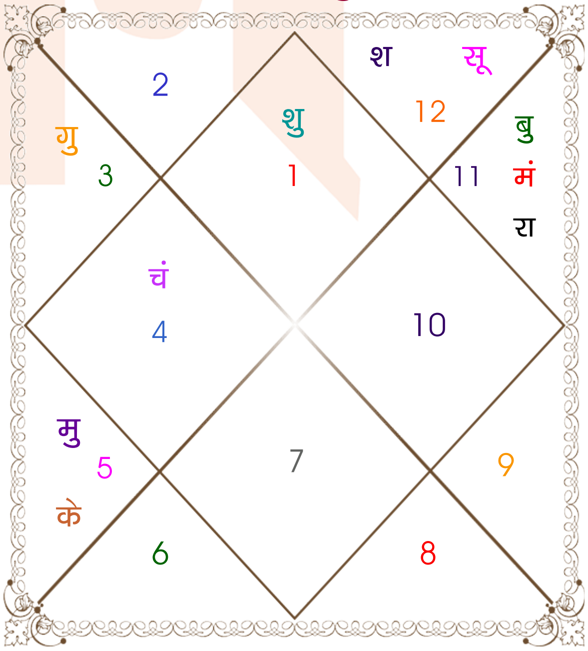

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - चंद्र - गुरु		चंद्र - चंद्र - शनि		चंद्र - चंद्र - बुध		चंद्र - चंद्र - केतु	
07/03/2026 08:40		16/04/2026 22:40		04/06/2026 03:18		17/07/2026 06:10	
16/04/2026 22:40		04/06/2026 03:18		17/07/2026 06:10		04/08/2026 00:18	
गुरु	12/03/2026 18:32	शनि	24/04/2026 13:48	बुध	10/06/2026 05:54	केतु	18/07/2026 07:02
शनि	19/03/2026 04:45	बुध	01/05/2026 09:40	केतु	12/06/2026 18:16	शुक्र	21/07/2026 06:03
बुध	24/03/2026 22:44	केतु	04/05/2026 05:08	शुक्र	19/06/2026 22:45	सूर्य	22/07/2026 03:21
केतु	27/03/2026 07:33	शुक्र	12/05/2026 05:54	सूर्य	22/06/2026 02:30	चंद्र	23/07/2026 14:52
शुक्र	03/04/2026 01:53	सूर्य	14/05/2026 15:44	चंद्र	25/06/2026 16:44	मंगल	24/07/2026 15:44
सूर्य	05/04/2026 02:35	चंद्र	18/05/2026 16:07	मंगल	28/06/2026 05:06	राहु	27/07/2026 07:39
चंद्र	08/04/2026 11:45	मंगल	21/05/2026 11:35	राहु	04/07/2026 16:20	गुरु	29/07/2026 16:28
मंगल	10/04/2026 20:34	राहु	28/05/2026 17:05	गुरु	10/07/2026 10:19	शनि	01/08/2026 11:56
राहु	16/04/2026 22:40	गुरु	04/06/2026 03:18	शनि	17/07/2026 06:10	बुध	04/08/2026 00:18

चंद्र - चंद्र - शुक्र		चंद्र - चंद्र - सूर्य		चंद्र - मंगल - मंगल		चंद्र - मंगल - राहु	
04/08/2026 00:18		23/09/2026 17:48		08/10/2026 23:03		21/10/2026 09:20	
23/09/2026 17:48		08/10/2026 23:03		21/10/2026 09:20		22/11/2026 08:22	
शुक्र	12/08/2026 11:13	सूर्य	24/09/2026 12:04	मंगल	09/10/2026 16:27	राहु	26/10/2026 04:23
सूर्य	15/08/2026 00:05	चंद्र	25/09/2026 18:30	राहु	11/10/2026 13:12	गुरु	30/10/2026 10:40
चंद्र	19/08/2026 05:33	मंगल	26/09/2026 15:48	गुरु	13/10/2026 04:58	शनि	04/11/2026 12:06
मंगल	22/08/2026 04:34	राहु	28/09/2026 22:36	शनि	15/10/2026 04:12	बुध	09/11/2026 00:46
राहु	29/08/2026 19:12	गुरु	30/09/2026 23:18	बुध	16/10/2026 22:27	केतु	10/11/2026 21:31
गुरु	05/09/2026 13:32	शनि	03/10/2026 09:07	केतु	17/10/2026 15:51	शुक्र	16/11/2026 05:21
शनि	13/09/2026 14:18	बुध	05/10/2026 12:52	शुक्र	19/10/2026 17:34	सूर्य	17/11/2026 19:42
बुध	20/09/2026 18:47	केतु	06/10/2026 10:10	सूर्य	20/10/2026 08:29	चंद्र	20/11/2026 11:37
केतु	23/09/2026 17:48	शुक्र	08/10/2026 23:03	चंद्र	21/10/2026 09:20	मंगल	22/11/2026 08:22

चंद्र - मंगल - गुरु		चंद्र - मंगल - शनि		चंद्र - मंगल - बुध		चंद्र - मंगल - केतु	
22/11/2026 08:22		20/12/2026 18:10		23/01/2027 11:48		22/02/2027 16:13	
20/12/2026 18:10		23/01/2027 11:48		22/02/2027 16:13		07/03/2027 02:30	
गुरु	26/11/2026 03:16	शनि	26/12/2026 02:21	बुध	27/01/2027 18:25	केतु	23/02/2027 09:37
शनि	30/11/2026 15:13	बुध	30/12/2026 21:03	केतु	29/01/2027 12:41	शुक्र	25/02/2027 11:20
बुध	04/12/2026 15:48	केतु	01/01/2027 20:17	शुक्र	03/02/2027 13:25	सूर्य	26/02/2027 02:14
केतु	06/12/2026 07:35	शुक्र	07/01/2027 11:13	सूर्य	05/02/2027 01:38	चंद्र	27/02/2027 03:06
शुक्र	11/12/2026 01:13	सूर्य	09/01/2027 03:42	चंद्र	07/02/2027 14:00	मंगल	27/02/2027 20:30
सूर्य	12/12/2026 11:18	चंद्र	11/01/2027 23:10	मंगल	09/02/2027 08:16	राहु	01/03/2027 17:14
चंद्र	14/12/2026 20:07	मंगल	13/01/2027 22:24	राहु	13/02/2027 20:55	गुरु	03/03/2027 09:01
मंगल	16/12/2026 11:53	राहु	18/01/2027 23:51	गुरु	17/02/2027 21:31	शनि	05/03/2027 08:14
राहु	20/12/2026 18:10	गुरु	23/01/2027 11:48	शनि	22/02/2027 16:13	बुध	07/03/2027 02:30

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशिष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति प क्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे।साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबधी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।